Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

अध्याय–चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय - चतुर्थ
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

संस्थागत अध्ययन क्रमांक-1

1. प्रधानाध्यापिका की वैयक्तिक जानकारी दर्शाने वाली तालिका :-

तालिका क्रमांक-4.1.1

स्कूल का नाम	स्कूल का प्रकार	प्रधानाध्यापक का नाम एवं शै. पात्रता	नियुक्ति की तिथि एवं अनुभव	संस्था का नाम	अन्य प्रशिक्षण
शासकीय माध्यमिक आश्रम, स्कूल, कोयलारी ता.तिरोड़ा, जि.-गोंदिया	शासकीय	सौ. बेवी अशोक राव कांबले एम.ए.,बी.एड.	1983 23 वर्ष का अनुभव है।	शासकीय	1. गाईड कैप्टन प्रशिक्षण 2. कस्टडियन प्रशिक्षण

उपरोक्त स्कूल के प्रधानाध्यापक की वैयक्तिक जानकारी तालिका में दर्शायी गई है। स्कूल की प्राधानाध्यापिका विगत 23 वर्षो से अध्यापन के क्षेत्र से जुड़ी हैं और विगत 10 वर्षो से प्रधानाध्यापिका के पद पर कार्यरत् हैं। उन्होंने अभी तक दो प्रशिक्षण पूर्ण किये हैं। उन्हें स्कूल संचालन का अच्छा अनुभव प्राप्त है। स्कूल में उनका छात्रों के प्रति व्यवहार अच्छा है तथा शिक्षकों से मित्रतापूर्वक व्यवहार करती है।

स्कूल की प्रधानाध्यापिका में उपरोक्त गुण होने के बावजूद और अतिरिक्त जो गुण होने चाहिए उसका अभाव है। जैसे- प्राप्त सुविधाओं का योग्य विनिमय करना, छात्रों में अच्छी आदतों का विकास करना, छात्रों के विकास एवं उन्नति के लिए कुछ नये आयाम प्रतिपादित करना।

स्कूल में छात्र तो आते हैं, लेकिन उनकी पढ़ाई अच्छे से हो रही है या नहीं। इन सारी बातों के ऊपर उनका प्रशासन ढीला है और शिक्षकों के ऊपर भी नियंत्रण में कमी है।

2. स्कूल सम्बन्धी और शैक्षिक सुविधाओं की जानकारी–

Regional Institute of LIBRARY

तालिका क्रमांक–4.1.2

स्कूल की स्थापना	कर्मचारियों की संख्या	रिक्त पद संख्या	स्कूल एवं छात्रावास के छात्रों की संख्या	स्कूल एवं छात्रावास में उपलब्ध सुविधायें एवं खेल सा.	कक्षा–7वीं में छात्रों की संख्या	स्कूल में उपलब्ध शै उपकरण
1989	मुख्याध्यापक–1 सहा.शिक्षक–13 अधीक्षक–1 खानासामा–5 कामाठी–6 चौकीदार–1 **कुल – 27**	महिला अधीक्षिका–1 कनिष्ठ लिपिक–1 खानासाम–1 **कुल–3**	छात्र–148 छात्रायें–133 **कुल–281**	कक्षाऐं–8, शयनकक्ष–7 शौचालय–4 स्नानघर–4 मैदान, क्रिकेट, बॉलीवाल, फर्नीचर, अलमारी, गद्दे, चादर, ब्लँकेट	छात्र–23 छात्रायें–20 **कुल–43**	प्रत्येक कक्षा ओ.बी.बी. उपलब्ध, टी. वी.सी.आर., कम्प्यूटर, ग्ल ग्रंथालय, बिजली, इन्व्हे

तालिका क्रमांक–2 के अनुसार स्कूल में उपरोक्त जानकारी के अनुसार स्कूल में सभी संसाधन उपलब्ध हैं। स्कूल में पानी की व्यवस्था के लिए उन्होंने छः हैण्डपम्प की व्यवस्था की है और वह सारे हैण्डपम्प स्कूल के आवास के चारों ओर है, जिससे दो उद्देश्यों की पूर्ति होती हैं एक तो बच्चे स्वयं परिश्रम करके पानी निकालते हैं और पानी निकालने में परिश्रम लगने के कारण वह पानी का अतिरिक्त व्यय नहीं करेंगे और बिजली की भी बचत होगी। स्कूल में छात्रों के अनुपात में शयनकक्ष की व्यवस्था अधूरी है। स्कूल में डॉक्टर की नियुक्ति नहीं हैं, किन्तु शासकीय रूग्नालय से डॉक्टर आकर माह में दो बार छात्रों की जांच करते है।

छात्रों के छात्रावास में भोजन के अन्तर्गत नास्ता, दोपहर का भोजन एवं रात्रि का भोजन मिलता है। छात्रों को दिये जाने वाले भोजन में जितनी भोजन सामग्री रजिस्टर में अंकित की जाती है, उतनी दी नहीं जाती।

स्कूल में छात्रों को शिष्यवृत्ति, गणवेश, तेल, साबुन, किताबें, पेन, पेन्सिल, कॉपी स[redacted] वस्तुयें मुहाईया कराई जाती है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3. स्कूल की गतिविधियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक–4.1.3

शैक्षिक	भ्रमण	खेल	सांस्कृतिक	पर्यावरणीय एवं नैतिक मूल्या शै.	आरोग्य एवं लैंगिक शिक्षण	जनसंख
स्कूल में आयोजित सभी परीक्षायें, इकाई परीक्षा, त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक एवं वार्षिक परीक्षा। भाषण, लेखन, चित्रकला	वर्ष में एक बार सभी कक्षा 7 के छात्रों को भ्रमण के लिये लेकर जाते हैं।	कबड्डी, खो–खो, लगोरी, क्रिकेट, व्हॉलीबाल	वार्षिक स्कूल की गंदरींग 15 अगस्त एवं 26 जन. को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।	1. वृक्ष लगावो देश बचावो। 2. वृक्षारोपण एवं संवर्धन। सुबह प्रार्थना के समय ही मूल्य शिक्षण की तालिका होती है।	आरोग्य एवं लैगिंक शिक्षण हेतु आरोग्य अधिकारी को आमंत्रित करके माह में दो बार छात्रों को आरोग्य एवं लैगिंक शिक्षा प्रदान की जाती है।	जनसंख्य शिक्षा प कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं होत

उपरोक्त तालिका से और प्राप्त प्रदत्तों से यह स्पष्ट होता है कि स्कूल में लगभग सभी प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित करायी जाती हैं, किन्तु उन गतिविधियों को मात्र औपचारिक तौर से करवाया जाता है। जैसे खेल गतिविधियों में वही खेल बच्चों को सिखाये जाते हैं जो पांरपरिक हैं, उनमें नये खेलों को भी सम्मिलित करना चाहिए।

स्कूल में जनसंख्या शिक्षा पर कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं कराया जाता, जबकि वह बहुत ही आवश्यक क्षेत्र है। स्कूल में आरोग्य एवं लैगिंक शिक्षा निरन्तर देनी चाहिए और स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम के द्वारा, पर्यावरण संवर्धन् आरोग्य शिक्षा, जनसंख्या शिक्षा एवं शिक्षा के महत्व पर कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

4. स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.1.4

विज्ञान प्रदर्शनी	खेल	कक्षा-7वीं का 2004-05 का परिणाम	भारत सरकार की शिष्यवृत्ति परीक्षा	ज्ञानशोध परीक्षा	नवोदय प्रवेश	सैनिक प्रवेश	शिक्षक को पुरस्का प्राप्त
ब्लॉक स्तर पर दो छात्रों को विज्ञान प्रदर्शनी द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।	2004-05 की खेल प्रतियोगिता स्तर पर कुल 7 पदक जिसमें 3 स्वर्ण और 4 कांस्य पदक हैं।	कक्षा-7 का 100 प्रतिशत परिणाम है।	किसी को नहीं मिली।	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि स्कूल में अतिरिक्त गतिविधियाँ नहीं होती हैं। स्कूल के छात्र सिर्फ स्कूल की परीक्षाओं तक ही सीमित हैं। नवोदय ज्ञान, शोध एवं सैनिक स्कूल की परीक्षाओं की जानकारी तक नहीं है। अगर यही हाल रहा तो छात्र उच्च शिक्षण में पिछड़ जायेंगे। छात्रों की रूचि को पहचानकर छात्रों की रूचित के अनुसार छात्र को विकसित करने का प्रयास शिक्षकों का होना चाहिए, जो नही है।

5. प्राचार्य के सुझाव :-

1. शिक्षकों पर शैक्षिक काम के अलावा अतिरिक्त काम का अधिभार कम करना चाहिए।
2. छात्रों के पीठ पर लादा हुआ किताबों का बोझ कम कर देना चाहिये, जिससे छात्र का विकास हो सके।

6. शिक्षकों के सुझाव :-

1) शिक्षकों के रहने की व्यवस्था अच्छी होना चाहिए।

2) शिक्षकों को आश्रम में रहने का अतिरिक्त भुगतान शासन को देना चाहिये।

3) छात्रों के लिए अच्छे खेल साहित्य प्रदान करना चाहिए।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

7. **छात्रों के सुझाव :-**

1) हमें आश्रम में स्वातंत्रता मिलनी चाहिये।

2) मनोरंजन के तौर पर सप्ताह में तीन फिल्में दिखाना चाहिये।

8. **अनुसन्धानकर्ता का अवलोकन एवं विश्लेषण :-**

शासकीय माध्यमिक आश्रम स्कूल जिला से 95 कि.मी. की दूरी पर स्थित है, जो ग्राम से बाहर स्थित है। स्कूल का परिसर सुन्दर एवं शान्त है। स्कूल की प्रधानाचार्या स्वभाव से ममतालू है, जो आश्रम स्कूल के लिये अतिआवश्यक है, किन्तु साथ ही वह अच्छी प्रशासक भी होनी चाहिये, जो वह नहीं है। प्रधानाचार्य को जो संसाधन स्कूल में उपलब्ध है, उनका अच्छी तरह से विनियोग करना चाहिये। स्कूल में छात्रों के उपयोग हेतु जो संसाधन आते हैं, उसकी जांच नहीं की जाती और उन्हें वैसी ही अवस्था में आवंटित की जाती है। जो सामग्री छात्रावास हेतु आती है उसमें प्रकल्प अधिकारी एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा भ्रष्टाचार किया जाता है। उस पर किसी का नियंत्रण नहीं है।

9. **निष्कर्ष :-**

1) अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त है।

2) प्रधानाचार्या प्रशासन में प्रभावहीन है।

3) शिक्षक अपने काम के प्रति पूर्णतः निष्ठावान नहीं है।

4) छात्र में गलत आदतें देखी गयी हैं।

संस्थागत अध्ययन क्रमांक–2

1. प्रधानाध्यापक की वैयक्तिक जानकारी दर्शाने वाली तालिका :–

तालिका क्रमांक–4.2.1

स्कूल का नाम	स्कूल का प्रकार	प्रधानाध्यापक का नाम एवं शै. पात्रता	नियुक्ति की तिथि एवं अनुभव	संस्था का नाम	अन्य प्रशिक्षण
शासकीय आश्रम, शाला खापा (खुर्द) ता. तुमसर जि.–भंडारा	शासकीय	श्री पी.डी. झलके, बी.एस.सी., बी. एड.	04/ 9211980 25 वर्ष का अनुभव	शासकीय	कुछ नहीं

उपरोक्त शासकीय आश्रम स्कूल की जानकारी तालिका में दर्शायी गयी हैं। प्राचार्य महोदय विगत 9 वर्षो से इस स्कूल से जुड़े हुए है और उनकी सीधे प्राचार्य के पद पर ही नियुक्ति की गई थी। श्री झलके सर का प्रशासनिक कार्य काफी अच्छा है और सारे शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्रों पर उनका अच्छा नियंत्रण है, उन्होंने किसी प्रकार का अन्य प्रशिक्षण प्राप्त नहीं किया है।

छात्रों से मिली जानकारी अनुसार सर हर कक्षा में जाकर यह पता लगाते हैं कि विषय के शिक्षक उन्हें अच्छे से पढ़ाते हैं या नहीं। अगर किसी समस्या से कोई छात्र पीड़ित है तो उस समस्या का निराकरण सर स्वयं करते हैं।

शिक्षकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राचार्य का विद्यालय के सभी शिक्षकों से मित्रतापूर्व व्यवहार है। किसी शिक्षक को उनसे किसी प्रकार की शिकायत नहीं है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

2. स्कूल एवं शैक्षिक सुविधाओं सम्बन्धी जानकारी–

तालिका क्रमांक–4.2.2

स्कूल की स्थापना	कर्मचारियों की संख्या	रिक्त पद संख्या	स्कूल एवं छात्रावास के छात्रों की संख्या	स्कूल एवं छात्रावास में उपलब्ध सुविधायें एवं खेल सा.	कक्षा–8वीं में छात्रों की संख्या	स्कूल में उपलब्ध शै. उपकरण
1982	मुख्याध्यापक–1 सहा.शिक्षक–9 अधीक्षक–1 खानसामा–1 कामाठी–5 चौकीदार–1 **कुल – 23**	सहा. शिक्षक–2 महिला अधीक्षक–1 उ.श्रे. कर्मचारी–1 **कुल–4**	छात्र–173 छात्रायें–155 **कुल–328**	कक्षाऐं–9, शयनकक्ष–7 शौचालय–5 स्नानघर–5 खेल का मैदान, खेल साहित्य– क्रिकेट किट, बॉलीवाल, लेक्षिस, लागोरी, रस्सी, कैरम, मनोरंजन, टी.वी. तबला, हारमोनियम	छात्र–27 छात्रायें–15 **कुल–42**	प्रत्येक कक्षा पर्याप्त सुविधा उपलब्ध हैं। टी.वी., वी.सी.आर., कम्प्यूटर–4 से भौगोनिक नक्शा, ग्लोब, बिजली, ग्रंथालय, इन्व्हेटर

तालिका क्रमांक–4.2.2 के अनुसार यह बात स्पष्ट होती है कि स्कूल में आवश्यक सभी संसाधन उपलब्ध हैं। प्राप्त जानकारियों से यह वताया जा सकता है कि स्कूल में सभी उपकरणों का विकास सही प्रकार से हो रहा है। लेकिन स्कूल के विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में उपरोक्त संसाधनों की संख्या कम है। स्कूल में क्रिकेट किट–एक ही है, जिससे ज्यादा से ज्यादा 1 विद्यार्थी ही खेल सकता हैं। इस प्रकार बहुत से छात्रों की इच्छा होते हुए भी उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिल पाता और वह खेल से वंचित रह जाते हैं।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

छात्रों को छात्रावास में भोजन अच्छा मिलता है। छात्रों से जानकारी प्राप्त की गई कि उन्हें खाने में अलग-अलग प्रकार मिलते हैं तो उत्तर हाँ में आया।

छात्रावास में छात्रों के अनुपात में शयनकक्ष और बढ़ाने चाहिये। छात्रों को रहने और सोने में असुविधाओं का सामना करना पड़ता है।

3. स्कूल की गतिविधियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.2.3

शैक्षिक	भ्रमण	खेल	सांस्कृतिक	पर्यावरणीय एवं नैतिक मूल्या शै.	आरोग्य एवं लैंगिक शिक्षण	जनसंख्या
स्कूल में आयोजित सभी परीक्षायेंऔर भाषण स्पर्धा सामान्य ज्ञान, निबन्ध, प्रश्न मंजूषा लेखन स्पर्धा	वर्ष में एक बार छात्रों को शैक्षिक भ्रमण के लिये लेकर जाते हैं।	कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, व्हॉलीबाल मैदानी खेल गतिविधियां करायी जाती हैं।	गॅदरिंग में सभी सांस्कृतिक गतिविधियां करायी जाती हैं।	1. वृक्षारोपण 2. सेंद्रिय खत 3. गांडूल खत 4. पेढ़ लगावो और जगावो कार्यक्रम 5. पर्यावरण शुद्धता कार्यक्रम	एड्स दिन मनाया जाता है।	जनसंख्या दिन पर वर्ष में दो बार कार्यक्रम आयोजित किया जाता है और ग्राम वासियों क सम्मिलित किया जाता है।

Regional Instit LIBR Bhop

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि विद्यालय में अधिकांश गतिविधियाँ करायी जाती है। शैक्षिक गतिविधियों में परीक्षाओं के अतिरिक्त भी अन्य गतिविधियाँ करायी जाती हैं, जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये सार्थक सिद्ध होती है। सांस्कृतिक कार्यक्रम की गतिविधियाँ सीमित हैं, जिससे छात्रों को अपनी गुणों के अनुसार कुछ दिखाने का कम अवसर मिलता है। जनसंख्या शिक्षा में प्राचार्य का यह प्रयास काफी सराहनीय है कि, उन्होंने इस कार्य में ग्रामवासियों को भी सम्मिलित किया है, जिससे विद्यालय के प्रति ग्रामवासियों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में काफी मदद मिलेगी। स्कूल में लैंगिंक शिक्षा पर अधिक गतिविधियाँ देखने को नहीं मिली है। इसका कारण पूछने पर उन्होंने मौन रहना ही उचित समझा।

4. स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.4.4

विज्ञान प्रदर्शनी	खेल	कक्षा-7 का 2004-05 का परिणाम	भारत सरकार की शिष्यवृत्ति परीक्षा	ज्ञानशोध परीक्षा	नवोदय प्रवेश	सैनिक प्रवेश	शिक्षकों को पुरस्कार प्राप्त
कक्षा-8 का एड्स नियंत्रण एवं सुरक्षा पर आधारित मॉडल को तालुका, जिला और राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। 2004-05	तालुका एवं जिला स्तर पर 2 सुवर्ण एवं 3 रजत पुरस्कार प्राप्त हुये।	कक्षा-8 का वार्षिक परिणाम 100 प्रतिशत रहा।	तीन छात्रों को भारत सरकार की शिष्यवृत्ति प्राप्त हुई।	नहीं	एक छात्र का नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में यहा प्राप्त हुआ।	नहीं	एक शिक्षक को विज्ञान परिषद् की ओर से पुरस्कार प्राप्त हुआ।

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि स्कूल के प्रधानाचार्य अगर स्वयं क्रियाशील है तो उसका परिणाम भी सकारात्मक दिखाई देता है। उपरोक्त स्कूल आश्रम होने के बावजूद वहाँ के छात्र विज्ञान प्रदर्शनी में पूरे राज्य में प्रथम स्थान लाते हैं, इससे यह बात सिद्ध होती है कि अगर हम अपने कार्य को अच्छे से और पूरे ईमानदारी से करें तो किसी भी छात्र का विकास कर सकते हैं। प्राचार्य का शिक्षक और छात्रों के साथ जो सम्बन्ध हैं वह किस प्रकार का है। इस पर छात्रों का विकास निर्भर करता है।

Regional Institute of LIBRARY Bhopal

5. प्राचार्य के सुझाव :-

1) पालकों में शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना।
2) स्कूल में छात्रों के लिये और सुविधायें प्रदान करना।
3) छात्रों की शिष्यवृत्ति बढ़ाई जाए।
4) अधिकारियों के द्वारा निरन्तर सर्वेक्षण एवं पर्यवेक्षण होना चहिये।

6. **शिक्षकों के सुझाव :-**

1) छात्रों में शिक्षा के प्रति रूचि निर्माण करना।

2) शिक्षक के ऊपर अतिरिक्त काम का बोझ कम करना।

3) शिक्षक के लिए भाषा विकास के कार्यक्रम आयोजित करना।

7. **छात्रों के सुझाव :-**

1) खेलने के लिए अधिक समय देना चाहिये।

2) सप्ताह में एक बार घर जाने देना चाहिये।

3) स्कूल से बाहर जाने की अनुमति मिलना चाहिये।

8. **अनुसन्धानकर्ता का अवलोकन :-**

स्कूल जिला से करीब 70 कि.मी. की दूरी पर है। जो कि सम्पूर्ण आदिवासी क्षेत्र है। ग्राम में और भी स्कूल हैं, किन्तु वह आश्रम नहीं है। स्कूल के बारे में ग्रामवासी काफी सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। इस उपलब्धि का कारण प्राचार्य का योग्य प्रशासन और क्रियाशीलता है। उन्हें जो संसाधन उपलब्ध है उसी का सही उपयोग किया गया है, लेकिन शासन को छात्रों के अनुपात में शैक्षिक सुविधायें प्रदान करवाना चाहिये। शिक्षकों में भाषा की समस्या पायी गई। चूंकि छात्र आदिवासी होने से उनकी मराठी भाषा में बोली का प्रभाव स्पष्ट दिखाई पड़ता है, जिससे शिक्षक और छात्रों को सही सम्प्रेषण नहीं हो पाता।

9. **निष्कर्ष :-**

1) यदि स्कूल का प्राचार्य क्रियाशील एवं जिज्ञासु है तो विकास सम्भव है।

2) शिक्षकों को बोली क्षेत्रीय का प्रशिक्षण आवश्यक है।

3) स्कूल की गतिविधियाँ अच्छी हैं।

4) शैक्षिक सुविधाऐं छात्रों के अनुपात में कम है।

5) छात्रों की उपलब्धियाँ संतुष्टिजनक हैं।

संस्थागत अध्ययन क्रमांक–3

1. **प्रधानाध्यापक की वैयक्तिक जानकारी दर्शाने वाली तालिका :–**

तालिका क्रमांक–4.3.1

स्कूल का नाम	स्कूल का प्रकार	प्रधानाध्यापक का नाम एवं शैक्षिक पात्रता	नियुक्ति की तिथि एवं अनुभव	संस्था का नाम	अन्य प्रशिक्षण
जी.ई.एस. आश्रम शाला, येरली, तालुका–तुमसर, जिला–भण्डारा (महाराष्ट्र)	अनुदानित (अशासकीय)	श्री अर्जुन छोंडूजी, मूंगुसमारे, एच.एस.सी., डी.ए.	15/9/94 5 वर्ष का अनुभव	गोंविदया शिक्षण संस्था, गोंदिया, जिला–गोंदिया	कुछ नहीं

उपरोक्त स्कूल निजी शिक्षण संस्था द्वारा चलायी जा रही है, जो कि अनुदानित है। प्राचार्य महोदय की स्कूल में सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्ति हुई थी। बाद में पदोन्नति से वह प्राचार्य बने। सर जिस पद पर काम कर रहे हैं, उसके अनुसार सर को अनुभव काफी कम है। शायद इसी के कारण स्कूल के शिक्षकों के साथ उनका सम्प्रेषण उतना ठीक दिखाई नहीं दिया, जहाँ सम्प्रेषण की कमी है वहाँ की प्रशासन एवं व्यवस्थापन भी उतना अच्छा नहीं रहती है।

इसी का प्रभाव छात्रों के ऊपर भी निश्चित होता है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

2. स्कूल एवं शैक्षिक सुविधाओं सम्बन्धी जानकारी –

तालिका क्रमांक–4.3.2

स्कूल की स्थापना	कर्मचारियों की संख्या	रिक्त पद संख्या	स्कूल एवं छात्रावास के छात्रों की संख्या	स्कूल एवं छात्रावास में उपलब्ध सुविधायें एवं खेल सा.	कक्षा–8वीं में छात्रों की संख्या	स्कूल में उपलब्ध शै. उपकरण
1994	प्राचार्य–1 सहा.शिक्षक–6 अधीक्षक–1 खानसामा–3 कामाठी–2 **कुल – 13**	सहा. शिक्षक–1 पद रिक्त है।	छात्र–176 छात्रायें–121 **कुल–297**	कक्षाऐं–6, शयनकक्ष–4 शौचालय–3 स्नानघर–3 खेल का मैदान पर्याप्त है। खेल साहित्य– क्रिकेट किट, ड्रम, बॉलीवाल, लेक्षिस, लगोरी, रस्सी, गद्दे, कम्बल, दरी, फर्नीचर, बिजली, जनरेटर, पानी बोलवेल है।	छात्र–21 छात्रायें–17 **कुल–38**	टी.वी.–1, टेप रिकार्डर संगणक, साउंड सर्विस। ग्रंथालय नहीं है। ग्लोब, नक्शा चार्ट है।

Regional Inst... LIB... Bho...

उपरोक्त तालिका के अनुसार स्कूल की इमारत अच्छी है, किन्तु छात्रावास में छात्रों के अनुपात में शयनकक्ष, शौचालय एवं स्नानघरों की संख्या काफी कम है, जिससे छात्रों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

खेल साहित्य भी छात्रों के अनुपात में काफी कम है और जो उपलब्ध है, उसकी स्थति ठीक नहीं है।

छात्रों के लिए छात्रावास में मनोरंजन के लिये कुछ भी साधन उपलब्ध नहीं है, जिससे छात्रों का समय गलत प्रवृत्तियों को सीखने में जाता है।

कक्षा के कमरों का क्षेत्रफल भी कम है और उसमें प्रकाश की

पर्याप्त सुविधा भी नहीं है।

पीने के पानी के लिए बोरवेल है, जिससे छात्रों को पानी की सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

3. स्कूल की गतिविधियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.3.3

शैक्षिक	भ्रमण	खेल	सांस्कृतिक	पर्यावरणीय एवं नैतिक मूल्या शै.	आरोग्य एवं लैंगिक शिक्षण	जनसंख्या
स्कूल में आयोजित सभी परीक्षायें की जाती हैं।	वर्ष में एक वार छात्रों को शैक्षिक भ्रमण के लिये लेकर जाते हैं।	कबड्डी, खो-खो और सभी मैदानी खेल।	स्कूल की वार्षिक गॅदरिंग एवं 15 अगस्त, 26 जनवरी को सांस्कृति कार्यक्रम कराये जाते हैं।	1. परिसर स्वच्छता 2. वृक्षारोपण 3. पर्यावरण जागृति मूल्य शिक्षण पर विशेष कार्यक्रम नहीं किया जाता, सिर्फ प्रार्थना होती है।	आरोग्य शिक्षण पर भी कोई विशेष कार्यक्रम नहीं होता है।	कुछ नहीं

उपरोक्त तालिका के अनुसार स्कूल में जो भी गतिविधियाँ करायी जाती हैं, वे सामान्य हैं। कोई ऐसी विशेष गतिविधियाँ नहीं करायी जाती, जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास सम्भव हो सके।

स्कूल में आरोग्य शिक्षण, मूल्य शिक्षण एवं लैंगिक शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कोई गतिविधियाँ नहीं करायी जाती हैं।

स्कूल के प्राचार्य स्वयं क्रियाशील नहीं हैं वह संस्था के पदाधिकारियों के अनुसार ही कार्य करते हैं। सारी गतिविधियाँ सिर्फ औपचारिक तौर से करायी जाती है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

4. स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.3.4

विज्ञान प्रदर्शनी	खेल	कक्षा-7 का 2004-05 का परिणाम	भारत सरकार की शिष्यवृत्ति परीक्षा	ज्ञानशोध परीक्षा	नवोदय प्रवेश	सैनिक प्रवेश	शिक्षकों को पुरस्कार प्राप्त
कुछ नहीं	कोई पदक प्राप्त नहीं हुआ।	कक्षा-8 का वार्षिक परिणाम 86 प्रतिशत रहा।	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

उपरोक्त तालिका से स्कूल की उपलब्धि क्या थी, यह स्पष्ट दिखाई देता है। स्कूल के कक्षा-7 का परिणाम भी सिर्फ 86 प्रतिशत रहा है। विज्ञान प्रदर्शनी में और अन्य किसी भी परीक्षा या प्रतियोगिता में कुछ उपलब्धि नहीं है।

इससे हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि स्कूल के प्रधान के अनुभव के कमी की वजह से या प्रशासन की अकुशलता के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है।

Regional Institute of LIBRARY Bhopal

5. प्राचार्य के सुझाव :-

1) छात्रों को कृतिपर आधारित शिक्षण प्रदान किया जाये।
2) स्कूल में गतिविधियाँ ज्यादा करानी चाहिये।
3) विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन करना चाहिये।
4) शासन ने निरन्तर सुपरविजन करना चाहिये।

6. शिक्षकों के सुझाव :-

1) विद्यालय में शैक्षिक वातावरण निर्मित करना।
2) छात्रों में अनुशासन निर्माण करना।
3) छात्रों को सर्वांगीण विकास की योजनाऐं बनाना।
4) छात्रों को उत्तम भोजन प्रदान करना।

7. **छात्रों के सुझाव :-**

1) शयनकक्ष और अधिक उपलब्ध करायें।

2) सुविधायें बढ़ानी चाहिए।

3) भोजन का दर्जा सुधारना चाहिए।

8. **अनुसन्धानकर्ता का अवलोकन :-**

स्कूल में प्रदत्त संकलन एवं अवलोकन के बाद अनुसंधानकर्ता को स्कूल की सभी व्यवस्था में सिर्फ औपचारिकता ही दिखाई गई। स्कूल की सिर्फ इमारत अच्छी है, किन्तु छात्रावास में सुविधाऐं अपर्याप्त दिखाई गई। छात्र भी उसने उत्साही दिखाई नहीं दिये। शिक्षक भी अपने कार्य के प्रति उतने कर्तव्यनिष्ठ नहीं थे। प्राचार्य ने स्कूल में शैक्षिक वातावरण भी निर्माण करने का प्रयास नहीं किया। वह सिर्फ शिक्षकों की शिकायत करते नजर आये। उनमें प्रशासन क्षमता का अभाव साफ दिखाई देता है।

Regional Institute of LIBRARY Bhopal

9. **निष्कर्ष :-**

1) प्रशासन क्षमता का अभाव।

2) शिक्षकों का अपने काम के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण।

3) सुविधाओं का अभाव।

4) भोजन का निम्न स्तर।

संस्थागत अध्ययन क्रमांक–4

1. **प्रधानाध्यापक की वैयक्तिक जानकारी दर्शाने वाली तालिका :–**

तालिका क्रमांक–4.4.1

स्कूल का नाम	स्कूल का प्रकार	प्रधानाध्यापक का नाम एवं शैक्षिक पात्रता	नियुक्ति की तिथि एवं अनुभव	संस्था का नाम	अन्य प्रशिक्षण
स्व. इंदिरावाई मरस्कोल्हे खाजगी आश्रम शाला, पवणारखारी ता. तुमसर, जिला–भंडारा	अनुदानित (अशासकीय)	श्री टी.जी. कांबले, एच.एस.सी., डी. एस.	प्रभारी प्राचार्य पद पर नियुक्ति है। पांच वर्ष का अनुभव है।	महाराणी दुर्गावती गोंडवाना शिक्षण व संस्कृति विकास परिषद् खापा (खुर्द) ता. तुमसर, जिला भंडारा	कुछ नहीं

उपरोक्त स्कूल निजी शिक्षण संस्था द्वारा चलायी जा रही है, जो कि अनुदानित है। इस स्कूल के मुख्याध्यापक जो हैं वह प्रभारी पद पर पिछले एक वर्ष से कार्यरत् हैं और उनकी नियुक्ति संस्था में पिछले पांच वर्ष से हुइ है। मुख्याध्यापक पद के लिए जो पात्रता और अनुभव चाहिए, उसकी कमी है। सर प्रभारी पद पर होने के उनका महत्व उतना दिखाई नहीं देता और उन्हें जो प्रतिसाद शिक्षक एवं छात्रों से मिलना चाहिए वह उन्हें अभी तक नहीं मिल पाया है।

स्कूल का स्टाफ भी उन्हें इस पद के अनुसार प्रतिसाद नहीं देता है, जिसका सीधा प्रभाव स्कूल के प्रशासन और प्रबन्धन पर पड़ता है।

Regional Institute LIBRARY Bhopal

2. स्कूल एवं शैक्षिक सुविधाओं सम्बन्धी जानकारी-

तालिका क्रमांक-4.4.2

स्कूल की स्थापना	कर्मचारियों की संख्या	रिक्त पद संख्या	स्कूल एवं छात्रावास के छात्रों की संख्या	स्कूल एवं छात्रावास में उपलब्ध सुविधायें एवं खेल सा.	कक्षा-7वीं में छात्रों की संख्या	स्कूल में उपलब्ध शै. उपकरण
1994	मुख्याध्यापक-1 सहा.शिक्षक-5 अधीक्षक-1 खानसामा-3 कामाठी-2 चौकीदार-1 **कुल - 13**	सहा. शिक्षक के दो पद रिक्त है।	छात्र-155 छात्रायें-125 **कुल-280**	स्कूल एवं छात्रावास की इमारत किराये पर है। बिजली, पानी की व्यवस्था है। शौचालय एवं स्नानघर है। खेल साहित्य में सिर्फ कवायत का ही साहित्य उपलब्ध है।	छात्र-26 छात्रायें-15 **कुल-41**	टी.वी.-1, वी. सी.डी., कम्प्यू साउंड सर्विस, टेप रिकार्डर।

उपरोक्त स्कूल की स्थापना सन् 1994 में हुई थी और शासन द्वारा उन्हें उसी वर्ष अनुदान प्राप्त हुआ था। स्कूल में कुल-13 पद हैं, 2 सहायक शिक्षक के पद रिक्त हैं। छात्रावास में कुल-280 छात्र रहते हैं, किन्तु उनके अनुपात में शयनकक्ष, शौचालय एवं स्नानघर की व्यवस्था अपर्याप्त है। स्कूल एवं छात्रावास विगत 11 वर्ष से किराये की इमारत में चल रही है, जो कि पर्याप्त नहीं है।

स्कूल में जो भी शैक्षिक उपकरण रखे हुये हैं, वह सिर्फ दिखाने के लिये हैं। छात्रों का उन उपकरणों से कोई सम्बन्ध नहीं है।

खेल साहित्य उपलब्ध नहीं है, जिससे छात्र खेल के समय अलग सा महसूस करते हैं। छात्रों में शिक्षण के प्रति अरूचि होने का यह एक कारण हो सकता है।

Regional Institute of LIBRARY Bhopal

3. स्कूल की गतिविधियों जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.4.3

शैक्षिक	भ्रमण	खेल	सांस्कृतिक	पर्यावरणीय एवं नैतिक मूल्या शै.	आरोग्य एवं लैंगिक शिक्षण	जनसंख्या
भाषण, निवन्ध, स्पर्धा एवं स्कूल की सभी परीक्षायें होती है।	नहीं	कबड्डी, खो-खो, दौड़, कवायत, ऊंची छलांग	वर्ष में एक बार गॅदरींग होती है और 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं।	नहीं	नहीं	नहीं

स्कूल में शैक्षिक गतिविधियाँ अच्छी है। उसमें स्कूल की सभी परीक्षाओं के साथ-साथ भाषण, निबन्ध स्पर्धा भी होती है।

स्कूल में छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए नहीं ले जाते, क्योंकि छात्र गरीब हैं और उनके पास पैसे नहीं है। ऐसा कारण बताया गया।

खेल में भी सभी गतिविधियाँ करायी जाती हैं। जैसे- खौं-खौं, कबड्डी दौड़ कवायत आदि। सांस्कृतिक कार्यक्रम वर्ष में एक बार और 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को किये जाते हैं।

पर्यावरण, मूल्य शिक्षण, आरोग्य, लैंगिक एवं जनसंख्या शिक्षण पर कार्यक्रम आयोजित नहीं किये जाते। इसका कारण उन्होंने बताया कि श्योडयूल इतना व्यस्त है कि इन चीजों को करने के लिये समय ही नहीं मिल पाता।

Regional Institute LIBRARY Bhopal

4. स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.4.4

विज्ञान प्रदर्शनी	खेल	कक्षा-7 का 2004-05 का परिणाम	भारत सरकार की शिष्यवृत्ति परीक्षा	ज्ञानशोध परीक्षा	नवोदय प्रवेश	सैनिक प्रवेश	शिक्षकों को पुरस्कार प्राप्त
विज्ञान प्रदर्शनी में मॉडल प्रस्तुत किया था और तीसरा नम्बर मिला।	खेल में ब्लॉक लेवल पर कुल 5 पदक प्राप्त हुये।	कक्षा-7 का वार्षिक परिणाम 92प्रतिशत रहा।	5 छात्र परीक्षा में बैठे थे किन्तु पास नहीं हुये।	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

विज्ञान प्रदर्शनी में सहभाग लिया, लेकिन सिर्फ तृतीय पुरस्कार ही प्राप्त हुआ। खेल प्रतियोगिता में ब्लॉक लेवल पर कुल पांच पदक प्राप्त हुये। कक्षा-7 का 2004-05 का परिणाम 92 प्रतिशत रहा, क्योंकि अन्य छात्र परीक्षा में अनुपस्थित थे। भारत सरकार की शिष्यवृत्ति परीक्षा में 5 छात्रों ने सहभाग लिया था, किन्तु पास नहीं हुये। ज्ञानशोध, नवोदय और सैनिक स्कूल की परीक्षा में कोई उपलब्धि नहीं है तथा किसी शिक्षक को भी कोई पुरस्कार प्राप्त नहीं हुआ।

LIBRARY Bhopal

5. प्राचार्य के सुझाव :-

1) सरकार को सुविधायें देना चाहिये।
2) छात्रों का सर्वांगीण विकास होना चाहिये।
3) पालकों का स्थानांतरण रोकना चाहिये।
4) पालकों का प्रशिक्षित करना चाहिये।

6. शिक्षकों के सुझाव :-

1) छात्रों की शिक्षण के प्रति अभिरूचि बढ़ाना चाहिये।
2) उन्हें खेल के माध्यम से पढ़ाना चाहिये।
3) उन्हें उन्हीं की भाषा में पाठ्यक्रम होना चाहिये।

7. **छात्रों के सुझाव :-**

1) अंग्रेजी विषय कठिन लगता है अतः इसे हटा देना चाहिये।

2) छात्रावास में असुविधायें बहुत है, उसे सुधारना चाहिये।

3) खेल साहित्य उपलब्ध कराना चाहिये।

4) मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराना चाहिये।

8. **अनुसन्धानकर्ता का अवलोकन एवं विश्लेषण :-**

उपरोक्त स्कूल 11 वर्ष पुरानी होने के बावजूद अभी तक स्वयं की इमारत नहीं बनायी गयी। आज जिस जगह स्कूल चल रही है, वह बहुत ही छोटी जगह है और छोटे-छोटे कमरे हैं। उन्हें देखने के बाद शिक्षण का मजाक प्रतीत होता है। ऐसे स्कूल में छात्र कैसे पढ़ते हैं? छात्रावास की भी अवस्था वैसी ही है।

स्कूल में छात्रों को विशेष सुविधायें नहीं दी गई है। संसाधन भी कम है। कुल मिलाकर स्थिति चिन्तनीय है।

9. **निष्कर्ष :-**

1) शासन की निष्क्रियता।

2) शिक्षा का व्यापार

3) छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़।

4) छात्रों में शिक्षा के प्रति अरूचि उत्पन्न होना।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

संस्थागत अध्ययन क्रमांक-5

1. प्रधानाध्यापक का वैयक्तिक जानकारी दर्शाने वाली तालिका :-

तालिका क्रमांक-4.5.1

स्कूल का नाम	स्कूल का प्रकार	प्रधानाध्यापक का नाम एवं शैक्षिक पात्रता	नियुक्ति की तिथि एवं अनुभव	संस्था का नाम	अन्य प्रशिक्षण
खाजगी आश्रम शाला आंबागढ़ ता. तुमसर, जिला-भण्डारा	अनुदानित (अशासकीय)	श्री रामचन्द्र नारायण गौपाले, बी.ए., बी.एड.	1994 8 वर्ष का मुख्याध्यापक का अनुभव	गंगाबाई शिक्षण संस्था, धारगांव, ता. जि. भण्डारा	कुछ नहीं

उपरोक्त स्कूल के मुख्याध्यापक की नियुक्ति सहायक शिक्षक पद पर हुई थी और उन्हें पदोन्नति से मुख्याध्यापक बने। जो आश्रम स्कूल है, उसका स्वरूप अशासकीय है, जिसे गंगाबाई शिक्षण संस्था, धारागांव द्वारा चलाया जा रहा है। सर की शैक्षिक पात्रता बी.ए., बी.एड. है जो कि पद के हिसाब से योग्य है। मुख्याध्यापक ने किसी प्रकार का अन्य प्रशिक्षण नहीं लिया है।

सर के स्कूल के स्टाफ एवं छात्रों के साथ मधुर सम्बन्ध है। उनका किसी भी कार्य को करने का सकारात्मक दृष्टिकोण रहता है, किन्तु जो सफलता उन्हें चाहिये उसे वह हासिल नहीं कर पाये हैं।

Regional Institute of
LIBRARY
Bhopal

2. स्कूल एवं शैक्षिक सुविधाओं सम्बन्धी जानकारी-

तालिका क्रमांक-4.5.2

स्कूल की स्थापना	कर्मचारियों की संख्या	रिक्त पद संख्या	स्कूल एवं छात्रावास के छात्रों की संख्या	स्कूल एवं छात्रावास में उपलब्ध सुविधायें एवं खेल सा.	कक्षा-7वीं में छात्रों की संख्या	स्कूल में उपलब्ध उपकरण
1994	मुख्याध्यापक-1 सहा.शिक्षक-6 अधीक्षक-1 खानसामा-4 कामाठी-4 चौकीदार-1 **कुल - 17**	कुछ नहीं	छात्र-190 छात्रायें-100 **कुल-290**	कक्षा-6 शयनकक्ष-4 शौचालय-5, स्नानघर-5, स्कूल की स्वयं की इमारत नही है। मैदान भी स्वयं का नहीं है। बिजली, पानी की व्यवस्था है। पंखे, फर्नीचर, व्हॉलीबाल, क्रिकेट कट, लेक्षीय, रस्सी है।	छात्र-25 छात्रायें-15 **कुल-40**	टी.वी., वी.सी.डी., साउंड सर्विस, टेप रिकार्डर।

उपरोक्त स्कूल की स्थापना सन् 1994 में हुई थी में सभी पद शासकीय नियमावली के आधार पर भरे गये हैं। स्कूल में कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त है और स्कूल में कोई भी पद रिक्त नहीं है।

स्कूल में छात्रों के अनुपात में अध्ययन कक्ष, शयनकक्ष, स्नानघर एवं शौचालयों की संख्या कम है, जिससे छात्रों को परेशानी का सामना करना पड़ता है तथा खेल साहित्य भी कम है, जिससे छात्रों को खेलने को नहीं मिलता है और उनका विकास रूक जाता है।

स्कूल में जो शैक्षणिक उपकरण है उनका वास्तविक उपयोग होता ही नहीं है। स्कूल में संगणक भी नहीं है। संगणक साक्षरता आज आवश्यक है।

स्कूल की इमारत भी बहुत ही सही है, जिससे छात्रों को पढ़ने में आनन्द नहीं आता है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3. स्कूल की गतिविधियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.5.3

शैक्षिक	भ्रमण	खेल	सांस्कृतिक	पर्यावरणीय एवं नैतिक मूल्या शै.	आरोग्य एवं लैंगिक शिक्षण	जनसंख्या
स्कूल की वार्षिक और अन्य इकाई परीक्षा होती है।	नहीं	गट स्तर पर जो प्रतियोगिता का आयोजन होता है, उसमें छात्र सम्मिलित होते हैं।	बॅदरिंग होती है।	होता है।	होता है।	होता है।

उपरोक्त स्कूल में शैक्षिक गतिविधियों में सिर्फ परीक्षाये ही होती हैं, वाकी चीजों को उतना महत्व नहीं दिया जाता है और भ्रमण के लिए शसन से अनुदान नहीं मिलने के कारण वह नहीं ले जाते।

खेल गतिविधियों में जो खण्ड स्तर पर वर्ष में एक बार आयोजित प्रतियोगिता होती है, उसमें ही छात्र सम्मिलित होते हैं, किन्तु स्कूल में ऐसी कोई खेल प्रतियोगिता आयेाजित नहीं की जाती है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत स्कूल गॅदरींग ही होती है।

पर्यावरण, मूल्य, शिक्षण, आरोग्य एवं लैंगिक शिक्षण और जनसंख्या शिक्षा पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, किन्तु किसी विशेषज्ञ को आमंत्रित कर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया गया है।

Regional Institute LIBRARY Bhopal

4. स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.5.4

विज्ञान प्रदर्शनी	खेल	कक्षा-7 का 2004-05 का परिणाम	भारत सरकार की शिष्यवृत्ति परीक्षा	ज्ञानशोध परीक्षा	नवोदय प्रवेश	सैनिक प्रवेश	शिक्षकों को पुरस्कार प्राप्त
नहीं	खेल प्रतियोगिता में एक पदक प्राप्त हुआ है।	कक्षा-7 का वार्षिक परिणाम 100 प्रतिशत था	भारतीय शिष्यवृत्ति परीक्षा में छात्रों ने सहभाग लिया था और दो छात्र उत्तीर्ण हुये।	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

उपरोक्त स्कूल की उपलब्धियों में सिर्फ कक्षा-7वीं के वार्षिक परीक्षा का परिणाम शतप्रतिशत था, लेकिन खेल प्रतियोगिता में सिर्फ एक पद और भारतीय शिष्यवृत्ति परीक्षा में कुल सात छात्र परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिसमें से सिर्फ दो छात्र उत्तीर्ण हुए, किन्तु मेरिट में नहीं आये।

विज्ञान प्रदर्शनी में कुछ सफलता नहीं मिली। ज्ञान शोध और सैनिक स्कूलों के प्रवेश परीक्षा की जानकारी भी उन्हें नहीं है। नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में भी कोई छात्र सम्मिलित नहीं हुआ था।

स्कूल के किसी भी शिक्षक को अभी तक कोई पुरस्कार नहीं मिला है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

5. प्राचार्य के सुझाव :-

1) शिक्षकों का कार्य का बोझ कम करना।

2) स्कूल के प्रबन्ध एवं प्रशासन में संस्था का हस्तक्षेप बन्द करना।

3) स्कूल में शिक्षकों की भर्ती परीक्षा के माध्यम से करना।

6. **शिक्षकों के सुझाव :-**

1) शिक्षक को नौकरी की शास्वती चाहिए।

2) शिक्षक और छात्र के बीच के सम्बन्ध मित्रवत होने चाहिये।

3) छात्रों में अनुशासन का निर्माण करना।

4) छात्रों में स्व-अध्ययन की आदत विकसित करना।

7. **छात्रों के सुझाव :-**

1) हमें सरल तरीके से पढ़ाना चाहिये।

2) अंग्रेजी कठिन विषय है।

3) खेल के साहित्य उपलब्ध करायें।

4) स्कूल का समय कम करें।

8. **अनुसन्धानकर्ता का अवलोकन एवं विश्लेषण :-**

उपरोक्त स्कूल के मुख्याध्यापक काफी क्रियाशील हैं और उन्होंने स्कूल एवं छात्रों के विकास के लिए कई प्रयोग किये, किन्तु उपलब्धि हासिल नहीं हो पायी। इसका कारण पूछने पर उन्होंने बताया कि शिक्षक किसी कार्य में रूचि नहीं लेते और शिक्षक छात्रों के साथ अपना सम्प्रेषण विकसित नहीं करते। हमेशा छात्रों को डांटते रहते हैं।

स्कूल की गतिविधियाँ सीमित हैं, जिन्हें बढ़ाना चाहिये और शैक्षिक सुविधाओं को भी बढ़ाना चाहिये। छात्रों के अनुपात में शैक्षिक सुविधायें होनी चाहिये और उनका उपयोग करने का स्वातंत्र छात्रों को देना चाहिये।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

9. **निष्कर्ष :-**

1) व्यावसायिक दृष्टिकोण

2) छात्रों को सिर्फ विषयी के रूप में देखा जाता है।

3) मुख्याध्यापक अपना कार्य करने में पूर्ण रूप से स्वतंत्र नहीं है।

संस्थागत अध्ययन क्रमांक–6

1. प्रधानाध्यापक का वैयक्तिक जानकारी दर्शाने वाली तालिका :–

तालिका क्रमांक–4.6.1

स्कूल का नाम	स्कूल का प्रकार	प्रधानाध्यापक का नाम एवं शैक्षिक पात्रता	नियुक्ति की तिथि एवं अनुभव	संस्था का नाम	अन्य प्रशिक्षण
विकास आश्रम शाला कवलेवज़ ता. गोरेगांव, जिला गोंदिया	अनुदानित (अशासकीय)	श्री प्रेमलाल आसारामजी मलेवार एच.एस.सी., डी.एड.	1999 2 वर्ष का मुख्याध्यापक पद का अनुभव है।	विकास शिक्षण संस्था, गोरेगांव, ता. गोरेगांव, जिला–गोंदिया	कुछ नहीं

उपरोक्त स्कूल के मुख्याध्यापक की नियुक्ति सहायक शिक्षक पद पर हुई थी और वह पदोन्नति द्वारा मुख्याध्यापक बने। उनकी नियुक्ति सन् 1999 में हुई थी। उनकी शैक्षिक पात्रता एच.एस.सी., डी.एड. है, जो कि मुख्याध्यापक के लिए योग्य नहीं है और उन्हें अधिक अनुभव भी नहीं है।

स्कूल के मुख्याध्यापक में जो परिपूर्णता होनी चाहिये, उसका उनमें अभाव दिखाई दिया। उन्होंने कोई अन्य प्रशिक्षण भी नहीं प्राप्त किया है, जो कि आवश्यक होता है।

स्कूल में स्टाफ एवं छात्रों के साथ के सम्बन्ध भी उने उतने अच्छे नहीं है, जितने होने चाहिये।

Regional Institute of Education LIBRARY

2. स्कूल एवं शैक्षिक सुविधाओं सम्बन्धी जानकारी-

तालिका क्रमांक-4.6.2

स्कूल की स्थापना	कर्मचारियों की संख्या	रिक्त पद संख्या	स्कूल एवं छात्रावास के छात्रों की संख्या	स्कूल एवं छात्रावास में उपलब्ध सुविधायें एवं खेल सा.	कक्षा-7वीं में छात्रों की संख्या	स्कूल में उपलब्ध शै. उपकरण
1994	मुख्याध्यापक-1 सहा.शिक्षक-7 अधीक्षक-1 खानसामा-4 कामाठी-3 **कुल - 16**	कुछ नहीं	छात्र-130 छात्रायें-110 **कुल-240**	स्कूल की स्वयं की इमारत है, जिसमें 7 कक्षाऐं, 4 शयनकक्ष, 4 शैचालय एवं 5 स्नानघर उपलब्ध हैं। बिजली पानी उपलब्ध है। खेल साहित्य में 2 इ्रम कवायत के लिए लेझीम, लगोरी एवं फुटबाल है।	छात्र-20 छात्रायें-18 **कुल-30**	टी.वी., वी.सी. डी. नहीं हैं। सिर्फ साउंड सर्विस एवं टेप है।

उपरोक्त स्कूल की स्थापना सन् 1994 में हुई थी और स्कूल की स्वयं की इमारत है, जो पक्की है और उसमें अध्यापन हेतु सात कक्षाऐं हैं। छात्रावास में 4 शयनकक्ष, 5 स्नानघर एवं 4 शौचालय उपलब्ध हैं। छात्र एवं छात्रों के लिए विभक्त शयनकक्ष हैं।

खेल सहित्य में जो साहित्य उपलब्ध है, वह पुराना हो चुका है सिर्फ कहने को मात्र है। लेकिन उसका उपयोग नहीं कर सकते। शैक्षणिक उपकरणों में स्कूल में न तो टी.वी. है और न ही वी.सी.आर. है। शैक्षिक उपकरणों की हालत भी खस्ता हो चुकी है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3. स्कूल की गतिविधियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.6.3

शैक्षिक	भ्रमण	खेल	सांस्कृतिक	पर्यावरणीय एवं नैतिक मूल्या शै.	आरोग्य एवं लैंगिक शिक्षण	जनसंख्या
स्कूल में परीक्षायें आयोजित की जाती है	नहीं	कबड्डी, खो-खो, दौड़, गोला, तबकड़ी एवं अन्य खेल प्रतियोगिताऐं	स्कूल में वार्षिक नेट सम्मेलन में और 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को सांस्कृतिक गतिविधियाँ करायी जाती हैं।	नहीं	नहीं	नहीं

उपरोक्त स्कूल में शैक्षिक गतिविधियों में वर्ष भर में जो परीक्षायें स्कूल में आयोजित की जाती हैं, वहीं गतिविधियाँ होती हैं अन्य नहीं।

खेल प्रतियोगिता में खों-खों, कबड्डी, दौड़ और अन्य प्रतियोगिता आयोजित की जाती हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूल के स्नेह-सम्मेलन, 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

पर्यावरण, मूल्य शिक्षण, आरोग्य, लैंगिक और जनसंख्या शिक्षण पर आधारित कोई कार्यक्रम नहीं होते हैं।

कुल मिलाकर स्कूल में सिर्फ औचारिक गतिविधियों का ही आयोजन किया जाता है।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

4. स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी :-

तालिका क्रमांक-4.6.4

विज्ञान प्रदर्शनी	खेल	कक्षा-7 का 2004-05 का परिणाम	भारत सरकार की शिष्यवृत्ति परीक्षा	ज्ञानशोध परीक्षा	नवोदय प्रवेश	सैनिक प्रवेश	शिक्षकों क पुरस्कार प्राप्त
विज्ञान प्रदर्शनी में सात्वनां पुरस्कार मिला।	खेल प्रतियोगिता में तालुका स्तर पर 400 मि. दौड़ में एक सुवर्ण मिला।	कक्षा-7 का 70 प्रतिशत परिणाम आया।	चार छात्रों ने परीक्षा दी थी, किन्तु एक भी छात्र परीक्षा उत्तीर्ण नहीं हुआ।	नहीं	नहीं	नहीं	नहीं

उपरोक्त स्कूल ने विज्ञान प्रदर्शनी में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया है। खेल प्रतियोगिता में तालुका स्तर पर दौड़ में एक स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ है और कक्षा-7वीं में 70 प्रतिशत परिणाम निकला है।

भारत सरकार की छात्रवृत्ति परीक्षा में चार छात्र सम्मिलित हुये थे, किन्तु एक भी छात्र सफल नहीं हुआ।

स्कूल में ज्ञान शोध, नवोदय, सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षायें आयोजित ही नहीं की जाती है।

स्कूल के किसी भी शिक्षक को अभी तक कोई पुरस्कार नहीं मिला है।

5. प्राचार्य के सुझाव :-

1) शिक्षक निरूत्साही है उन्हें जिज्ञासु बनाना।
2) छात्रों में अभ्यास के प्रति रूझान उत्पन्न करना।
3) छात्रों को अच्छी सुविधा उपलब्ध कराना।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

6. **शिक्षकों के सुझाव :-**

1) शासकीय अधिकारियों ने निरन्तर सर्वेक्षण करना।

2) शासन द्वारा संस्था को अधिक अनुदान देना चाहिए।

3) छात्रों को स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

4) स्कूल में प्रशिक्षित क्रीड़ा शिक्षक होना चाहिये।

7. **छात्रों के सुझाव :-**

1) हमें खेल के नये साहित्य मिलना चाहिये।

2) शयनकक्ष में पलंग होना।

3) भोजन का स्तर अच्छा होना।

8. **अनुसन्धानकर्ता का अवलोकन एवं विश्लेषण :-**

उपरोक्त स्कूल का अवलोकन एवं प्रदत्तों के संकलन से यह ज्ञात होता है कि अनुदानित आश्रम स्कूलों में शैक्षिक सुविधाओं, गतिविधियों एवं उपलब्धि में काफी अन्तर है। वह सिर्फ रजिस्टर पर ही सारी चीजों को दिखाते हैं, किन्तु वास्तव में ऐसा कुछ नहीं होता है।

छात्रावास के भोजन का स्तर भी काफी निम्न स्तर का होता है। छात्रों के ऊपर अधिक ध्यान नहीं दिया जाता है। हमेशा उनके साथ डांट-फटकार कर ही व्यवहार किया जाता है। अशासकीय स्कूल में वह सुविधायें उपलब्ध नहीं होती जो शासकीय स्कूल में होती हैं।

9. **निष्कर्ष :-**

1) मुख्याध्यापक की निष्क्रियता

2) अधिकारी और संस्था के लोगों में मिलीभगत होना।

3) छात्रों के ऊपर ध्यान नहीं दिया जाता।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

शासकीय एवं अशासकीय आश्रम स्कूलों की शैक्षिक सुविधाओं, गतिविधियों एवं उपलब्धियों का तुलनात्मक अध्ययन दर्शाने वाली तालिका 4.7

अ.क्र.	अध्ययन के घटक	शासकीय आश्रम स्कूल	अनुदानित आश्रम स्कूल
1.	प्रधानाध्यापक की वैयक्तिक जानकारी	शासकीय स्कूल के प्रधानाध्यापक उच्च शिक्षित और अनुभवी हैं।	अनुदानित स्कूल के प्रधानाध्यापक कम शिक्षित और कम अनुभव हैं।
2.	स्कूल की शैक्षिक सुविधाओं की जानकारी	शास. स्कूल की शैक्षिक सुविधा और छात्रावास की सुविधा नियम के अनुसार यथार्थ और सही है।	इसके विपरीत अनु. स्कूल में शैक्षिक सुविधा एवं छात्रावास की सुविधाओं में बहुत सी कमी है।
3.	स्कूल की गतिविधियों की जानकारी	शास. स्कूल में शैक्षिक, भ्रमण, खेल, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय एवं लैगिक शिक्षा पर सभी गतिविधियाँ करायी जाती हैं।	अन. स्कूलों में भी वही सभी गतिविधियाँ करायी जाती है, जो शास. स्कूलों में करायी जाती है।
4.	स्कूल की उपलब्धियों की जानकारी	शास. स्कूलों में की शैक्षिक खेल और विज्ञान प्रदर्शनी की उपलब्धि अच्छी है, किन्तु अन्य ज्ञानात्मक एवं प्रवेश परीक्षा का परिणाम अप्रशंसनीय है।	अनु. स्कूलों की उपलब्धियाँ शासकीय स्कूलों जैसी नही है। यहाँ भी ज्ञानात्मक एवं प्रवेश परीक्षा का परिणाम अच्छा नही है। सिर्फ शैक्षिक उपलब्धि अच्छी है।

4.2 अनुसंधानकर्ता का शोध समस्या के शोध प्रश्न एवं उद्देश्यों के आधार पर अवलोकन एवं विश्लेषण :-

शोध प्रश्न क्र.-1 :- शासकीय एवं अनुदानित आश्रम, स्कूलों की शैक्षिक सुविधाओं में क्या समानताऐं हैं ?

Regional Institute of LIBRARY Bhopal

इस प्रश्न का उत्तर अनुसंधानकर्ता को प्रदत्त संकलन के बाद प्रदत्तों से एवं अनुसंधानकर्ता के अवलोकन से प्राप्त हुआ, जो कि निम्नानुसार है। अनुसन्धानकर्ता ने अपने अध्ययन में दो शासकीय एवं चार अनुदानित आश्रम शालाओं का चयन किया। प्राप्त प्रदत्तों एवं अवलोकन से इस बात की पुष्टि होती है कि शासकीय स्कूलों की शैक्षिक सुविधा नियमावली के अनुरूप है, किन्तु अधिकांश अनुदानित स्कूलों में सिर्फ रजिस्टर पर ही शैक्षिक सुविधायें दिखाई दीं। शासकीय आश्रम स्कूलों में शैक्षिक उपकरणों एवं खेल साहित्यों का उपयोग वास्तव में होता है किन्तु अनुदानित आश्रम स्कूलों में शैक्षिक उपकरण तथा खेल साहित्य का उपयोग सर्वेक्षणकर्ता को दिखाने के लिए किया जाता है। शासकीय आश्रम स्कूल का आवास आनन्ददायी एवं प्रसन्न है तथा छात्रों कक्षाऐं, शयन कक्ष, भोजन कक्ष एवं खेल का मैदान उत्तम है, बिल्कुल इसके विपरीत एक अनुदानित स्कूल छोड़कर अन्य सभी में उपरोक्त सुविधायें व्यावसायिक दृष्टिकोण से बनायी गई हैं, जिसके परिणाम छात्रों में शिक्षा के प्रति अरूचि पैदा होती है। भोजन में भी शासकीय आश्रम स्कूल का जो स्तर है वह स्तर अनुदानित में देखने में नहीं आया।

सारांश यह है कि आश्रम स्कूलों में शासन ने जिस उद्देश्य से निजी शिक्षण संस्थाओं को आश्रम स्कूल चलाने की अनुमति दी और अनुदान दिया गया उस उद्देश्यों की प्राप्ति केवल रजिस्टर तक ही सीमित है। शासकीय आश्रम स्कूलों की शैक्षिक सुविधाओं की बात की जाये तो जो उच्च अधिकारी होते हैं।

वे अनुदान एवं सामग्री के आवंटन में भ्रष्टाचार करते हैं, जिससे छात्रों को जो सुविधाऐं प्राप्त होना चाहिए वे उचित प्रकार से मिल नहीं पाती, जिसके परिणाम स्वरूप छात्रों में हीनभावना पैदा होती है। शासकीय आश्रम स्कूलों के शिक्षकों के लिए आवास की सुविधाऐं हैं, किन्तु अनुदानित स्कूल में यह सुविधा नहीं है। इस कारण वे पूर्णकाल स्कूल में नहीं रह पाते हैं।

शोध प्रश्न क्र.–2 :– शासकीय एवं अनुदानित आश्रम स्कूलों गतिविधियों में क्या समानताऐं हैं ?

इस प्रश्न का हल अनुसन्धानकर्ता को प्राप्त प्रदत्तों के संकलन एवं अवलोकन से प्राप्त हुआ।

शासकीय एवं अनुदानित स्कूल में निम्न गतिविधियों में समानताऐं देखी गई। जैसे– इन सभी स्कूलों में शैक्षिक गतिविधियाँ एक जैसी होती हैं। स्कूलों में सम्पूर्ण वर्ष में जो परीक्षाऐं आयोजित की जाती हैं। शैक्षिक भ्रमण शासकीय एवं अनुदानित आश्रम स्कूल में समान रूप से नहीं हाती हैं। कुछ अनुदानित स्कूल में छात्रों को शैक्षिक भ्रमण को नहीं ले जाया जाता है। सांस्कृतिक गतिदिधियों में दोनों प्रकार के स्कूलों में समानताऐं हैं। वर्ष में एक बार स्कूल गॅदरींग के समय और 15 अगस्त एवं 26 जनवरी को सांस्कृतिक गतिविधियाँ करायी जाती हैं। खेल प्रतियोगिता में भी समानताऐं हें। ब्लॉक स्तर पर खेल के टूर्नामेन्ट का आयोजन किया जाता है, उसमें सभी स्कूल सम्मिलित होते हैं। पी.टी.ए. की बैठक सिर्फ अनुदानित स्कूलों में नहीं होती है, किन्तु शासकीय स्कूल में माह में एक बार यह बैठक होती है और उसका प्रतिसाद अच्छा है। नैतिक शिक्षण में भी असमानताऐं हैं। शासकीय स्कूलों में विशेष कार्यक्रम का आयोजन करके यह गतिविधि करायी जाती है, जबकि अनुदानित स्कूलों में ऐसी कोई गतिविधि नहीं होती है। पर्यावरण संवर्धन एवं जनसंख्या शिक्षण के कार्यक्रमों में भी असमानताऐं दिखाई दी। शासकीय स्कूलों में यह गतिविधियाँ विविध कार्यक्रमों का आयोजन करके करायी जाती हैं, जबकि अनुदानित में ऐसा कुछ नही होता है। आरोग्य एवं लैंगिक शिक्षण दिया जाता ळै। जबकि अनुदानित स्कूलों में ऐसी कोई गतिविधि नही होती।

Regional Institu LIBRA Bhopal

अन्त में हम यह कह सकते हैं कि प्राप्त प्रदत्तों से की। शासकीय आश्रम स्कूलों में जितनी विविध गतिविधियाँ होती हैं, उतनी अनुदानित

आश्रम स्कूलों में नहीं करायी जाती। यानि शासकीय आश्रम विद्यालयों एवं अनुदानित आश्रम विद्यालयों की गतिविधियों में समानता नही है।

शोध प्रश्न क्रमांक–3 :– शासकीय एवं अनुदानित आश्रम स्कूलों की उपलब्धियों में क्या समानताऐं हैं ?

इस प्रश्न का हल अनुसन्धानकर्ता को प्राप्त प्रदत्तों से और अवलोकन से प्राप्त हुआ।

विज्ञान प्रदर्शनी में शासकीय आश्रम विद्यालयों की उपलब्धि से काफी अच्छी है और उनका मॉडल तहसील, जिला एवं राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर चुका है। खेल प्रतियोगिता में दोनों प्रकार की उपलब्धियों में समानताऐं देखी गयीं। कक्षा–7वीं के वार्षिक परिणाम में भी दोनों प्रकार के विद्यालयों में समानताऐं देखी गयीं। भारतीय शिष्यवृत्ति परीक्षा में भी दोनों प्रकार के विद्यालयों की उपलब्धियों में समानताऐं देखी गयीं। ज्ञान–शोध, नवोदय एवं सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा में दोनों प्रकार के विद्यालयों की कोई उपलब्धि नहीं है।

शायद पिछड़ा भाग होने के कारण इस प्रकार की परीक्षाओं के बारे में शिक्षक एवं छात्रों दोनों में जागरूकता नहीं है। शिक्षक को पुरस्कार की उपलब्धियों में जरूर दोनों प्रकार के विद्यालयों में असमानताऐं दिखाई दी। शासकीय आश्रम विद्यालय के शिक्षक को विज्ञान परिषद् की ओर से अच्छे कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया। जबकि अनुदानित स्कूल में ऐसा नहीं है।

इस प्रकार से अनुसंधानकर्ता को प्राप्त प्रदत्तों एवं अवलोकन के आधार पर यह स्पष्ट कह सकते हैं कि शासकीय एवं अनुदानित आश्रम स्कूलों में शैक्षिक सुविधाओं, गतिविधियों एवं उपलब्धियाँ बहुत कम समानताऐं देखने को मिलती है। शासन ने जिस उद्देश्य से निजी शिक्षण संस्था का आश्रम स्कूल चलाने का अवसर प्रदान किया था, उसका

उद्देश्य सफल नहीं हो रहा हैं शासकीय आश्रम विद्यालयों के मुख्याध्यापक को प्रोत्साहित करें एवं प्रबन्ध में होने वाले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का प्रयास करें।

4.3 अनुसन्धानकर्ता द्वारा शासकीय आश्रम विद्यालयों का अवलोकन एवं विश्लेषण :-

Regional Institute LIBRARY Bhopal

अनुसंधानकर्ता ने शोध अध्ययन में दो शासकीय आश्रम स्कूलों का अध्ययन किया। दोनों आश्रम स्कूलों में शासकीय नियमावली के अनुरूप सारी शैक्षिक सुविधायें उपलब्ध है गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ भी सही हैं। फिर भी शासकीय आश्रम शाला, खापा की आश्रम स्कूल एक प्रतिमान की तरह से दिखाई पड़ती है। उपरोक्त स्कूल अन्य स्कूलों की तुलना में अच्छी क्यों है। इसके लिए अनुसन्धानकर्ता ने स्कूल के स्तर (Quality) का मापन करने हेतु मानक स्तर (Quality Nroms) निर्धारित किये हैं, जो निम्न है।

1. प्रधानाध्यापक की शैक्षिक योग्यता, क्रियाशीलता, अनुभव, कार्य करने के कौशल, स्कूल के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्रों के साथ सम्बन्ध एवं प्रशासन।

   उपरोक्त सभी गुणों के आधार पर प्रधानाध्यापक की योग्यता एवं सफलता का अनुमान लगाया गया।

2. स्कूल की शैक्षिक सुविधाओं के अन्तर्गत, कर्मचारियों की संख्या का लिंग के अनुपात के आधार पर वर्गीकरण, स्कूल में एवं छात्रावास में कितने छात्रों की अनुमति है और कितने पढ़ते हैं, छात्रों की अपव्यय और अवरोध का क्या दर है? छात्रों के अनुपात में शयन, खेल, पानी, बिजली, फर्नीचर, साधन, शौचालय, बाथरूम, खेल का मैदान, शयनकक्ष की स्थिति, मनोरंजन के साधन है कि नहीं? शैक्षिक उपकरण हैं और उनकी स्थिति कैसी है? शैक्षिक

उपकरणों का उपयोग होता है कि नहीं? छात्रों के अनुपात में शिक्षक है या नहीं?

Regional Institute LIBRARY Bhopal

उपरोक्त सभी स्तर मानकों के आधार पर शासकीय आश्रम शाला खापा में पाये गये।

3. स्कूल की गतिविधियों के मानक के अन्तर्गत शैक्षिक गतिविधियाँ आती हैं, उसमें स्कूल की परीक्षाऐं, प्रतियोगितायें और लेखन, वाचन, भाषण प्रतियोगितायें आती हैं। भ्रमण में वर्ष में किने बार भ्रमण के लिए जाते हैं? क्या विद्यालय के सभी छात्रों को ले जाया जाता है? खेल में सिर्फ मैदानी खेल ही खेले जाते हैं? क्या और अन्य जैसे, कॅरम्, चेस, टेबिल-टेनिस, खेले जाते हैं? सांस्कृतिक गतिविधियाँ वर्ष में कितनी बार होती है? क्या वह सिर्फ स्कूल तक ही सीमित हाती है? पर्यावरण एवं मूल्य शिक्षण पर क्या गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं? आरोग्य एवं लैगिक शिक्षा पर स्कूल में कौन सी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है? जनसंख्या शिक्षा पर आधारित कौन सी गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं?

4. स्कूल की उपलब्धियों के लिए निम्नलिखित मानक निर्धारित किये हैं?

(1) विज्ञान प्रदर्शनी में स्कूल की उपलब्धि कैसी रही। उपलब्धि किस तरह की थी?

(2) खेल में स्कूल की उपलब्धि कैसी रही? कौन से स्तर तक उपलब्धि रही?

(3) स्कूल का कक्षा-7 का वार्षिक परिणाम कैसा रहा?

(4) भारत सरकार की शिष्यवृत्ति परीक्षा, ज्ञान शोध परीक्षा, नवोदय, सैनिक, स्कूल प्रवेश परीक्षा में स्कूल की उपलब्धियाँ कैसी रही?

उपरोक्त सभी स्तर मानक के आधार पर अनुसन्धानकर्ता ने स्कूलों को अच्छा कहा है।

Regional Institute LIBRARY Bhopal

शासकीय आश्रम स्कूल खापा में उपरोक्त सभी स्तर मानक मौजूद है। इसके अतिरिक्त वह स्कूल प्रवेश परीक्षा में स्कूल की उपलब्धियाँ कैसी रही ?

उपरोक्त सभी स्तर मानक के आधार पर अनुसन्धानकर्ता ने स्कूलों को अच्छा कहा। शासकीय आश्रम स्कूल, खापा में उपरोक्त सभी स्तर मानक मौजूद है। इसके अतिरिक्त वह स्कूल जिस क्षेत्र में है वह सम्पूर्ण क्षेत्र आदिवासी क्षेत्र है। स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री बी.डी. झलके सर स्वंय इतने क्रियाशील है कि उन्होंने सभी ग्रामवासियों के साथ अच्छे से सम्प्रेषण स्थापित कर जनसहयोग प्राप्त किया है। स्कूल में आयोजित PTA की मासिक सभा को अच्छा प्रतिसाद प्राप्त हुआ है। आरोग्य और लैगिंक शिक्षा के कार्यक्रम में ग्रामवासियों को सम्मिलित किया जाता है। साथ ही पर्यावरण संवर्धन एवं जनसंख्या के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

उपरोक्त सभी परिणामें के आधार पर शासकीय आश्रम शाला, खापा अन्य शासकीय स्कूलों से अच्छी स्थति में हैं।

अन्य शासकीय स्कूलों के प्रधानाध्यापकों ने खापा की आश्रम स्कूल से प्रेरणा लेकर अपनी स्कूल में भी सुधार के प्रयास करने चाहिए।

शासन ने भी ऐसे स्कूलों का सर्वेक्षण कर अन्य स्कूलों को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कार प्रदान करने चाहिए।

❖ **अनुसन्धानकर्ता द्वारा अनुदानित आश्रम विद्यालयों का अवलोकन एवं विश्लेषण :-**

अनुसन्धानकर्ता ने शोध अध्ययन में चार अनुदानित आश्रम स्कूलों का अध्ययन किया, किन्तु अवलोकन से यह निष्कर्ष निकला कि

अधिकांश अनुदानित आश्रम स्कूलों का योग्यता स्तर अनुसन्धानकर्ता द्वारा निर्धारित मानक स्तर के आधार पर सही नहीं है, फिर भी एक अनुदानित आश्रम स्कूल मानक स्तर के अनुरूप है।

जी.ई.एस. आश्रम शाला, येरली, ता.-तुमसर, जिला-भण्डारा स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री अर्जुन धोंडुजी मंगुसमारे सर का अनुभव कम है, किन्तु उन्होंने अपनी क्रियाशीलता के आधार पर स्कूल का वातावरण आनन्दमय किया है। संस्था के अधिकारियों के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित कर स्कूल में सारी सुविधायें उपलब्ध करायी हैं। स्कूल के सभी कर्मचारी, शिक्षक एवं छात्रों के साथ अच्छा सम्प्रेषण करने का प्रयास किया है। स्कूल में सभी छात्रों के विकास के लिए नये-नये प्रयोग किय हैं और उसका परिणाम भी अच्छे आये। स्कूल में आरोग्य शिक्षा के लिए अनुभव वैद्यकीय अधिकारी के द्वारा मार्गदर्शन दिया जाता है। छात्रों के अभिभावक को स्कूल में बुलाकर उन्हें मार्गदर्शन दिया जाता है। स्कूल का परिसर पेड़-पौधों से भरा है। चारों ओर हरियाली नज़र आती है। स्कूल के मैदान को खेलने योग्य बनाया है।

❖ **शासकीय एंव अनुदानित आश्रम विद्यालय असंतोषजनक प्रशासन के कारण :-**

1) प्रधानाध्यापक की निष्क्रियता।
2) संस्थापक की व्यावहारिक वृत्ति।
3) स्कूल एवं प्रशासन का भ्रष्टाचार में लिप्त होना।
4) अभिभावकों का निरक्षर और निर्धन होगा।
5) शिक्षकों की आलसी वृत्ति।
6) अधिकारी वर्गों भ्रष्टाचार में लिप्त होना।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

❖ **सुधार के सुझाव :-**

1) जहाँ अच्छी स्कूल चल रही है, उसे भेंट देकर कुछ पुर्नबलन लेना।
2) प्रशासन में सुधार करना।

3) संस्थापकों का स्कूल के संचालन में हस्तक्षेप पर रोक लगाना।

4) आश्रम स्कूल में जहाँ छात्रायें भी निवास करती हैं, उनके लिए सभी आश्रम स्कूल में महिला अधिक्षिका के पद पर नियुक्ति करना।

5) छात्राओं की माह में दो बार महिला डॉक्टर से जांच करना।

6) छात्रों के कमरे में सफाई और प्रकाश की व्यवस्था करना।

7) छात्रों को साफ व स्वच्छ रहने की आदत सिखाना।

8) छात्रों को नामांकित आश्रम स्कूलों को भेंट कराना।

9) आदिवासी स्कूलों में उसी क्षेत्र के आदिवासी योग्यता प्राप्त छात्र को शिक्षक बनाना चाहियो।

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal